तीन वर्षों में नलकूप लगाने के लिए कितनी वित्तीय सहायता दी और इस सहायता से वहाँ कितने नलकूप लगाये गये ; और

(ख) इस समय उनमें से कितने नलकूप चालू हालत में हैं और कितने खराब हो गये हैं तथा उनके खराब होने के क्या कारण हैं ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह): (क) और (ख). प्रचलित पद्धति के अनुसार राज्यों को केन्द्रीय सहायता किसी विशेष कार्यक्रम या योजना से सम्बन्धित नहीं होती, अपितु केन्द्र द्वारा वार्षिक योजना के लिए समग्र रूप से सामूहिक ऋणों और अनुदान के रूप में दी जाती है। नलकूपों सहित पृथक राज्य प्लान स्कीमों के लिए निधि का आवंटन मुख्यता राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर करता है। अतः नलकूप जैसी विशेष योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रश्न नहीं होता।

परन्तु नलकूपों के लिए राज्य योजना निधि से वित्तीय सहायता दी जा रही है और भूमि विकास बैंकों, सहकारी बैंकों, वाणिज्यिक बैंकों और कृषि पुनर्वित्त निगम सहित सांस्थानिक स्रोतों से ऋण उपलब्ध किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में 96°-69 से 1970-71 की अवधि के दौरान 1061 नलकूपों का छिद्रण किया गया। इनमें से 521 सफल हुये और मार्च 1971 के अन्त तक 306 चालू कर दिए गए थे। अन्य को पूर्ण करने के दिशा में विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जा रहा था। किसी नलकूप के खराब होने के बारे में कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

मत्स्यपालन के लिये राजस्थान में मछली के अण्डों का आयात

705. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में मत्स्यपालन के विकास के लिये मछली के अण्डों का किन-किन स्थानों से आयात किया जाता है ; और

(ख) इसके परिणामस्वरूप किस किस्म की मछली का उत्पादन हुआ ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) राजस्थान में मीन-उद्योग के विकास के लिये मछली के अण्डों का आयात नहीं किया जाता है। लेकिन, मीन-उद्योग विभाग, राजस्थान ने पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश तथा गुजरात से विभिन्न कार्प मछलियों का पोना आयात किया है।

(ख) **कैटला कैटला (कैटला), सिरीहिना मृगला (मृगाल), लेबियो रोहिता (रोहू)**।

उर्वरक का आयात

7058. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन देशों से उर्वरकों का आयात किया जा रहा है ;

(ख) उनकी मात्रा कितनी है ; और

(ग) किस दर पर ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) से (ग). अपेक्षित जानकारी देने वाला एक विवरण संलग्न है:—

विवरण

विभिन्न देशों से आयातित उर्वरक और 1971-72 के आयात कार्यक्रम में उन दरों को जिन पर उन्हें आयात किया गया

देश का नाम	उर्वरक की किस्म	आयात की जाने वाली मात्रा	अमरीकी डालरों में दरें
संयुक्त राज्य अमरीका	12-32-16 एन० पी० के०	32,500	55.21 से पोत पर 56.95 निशुल्क